

भारत द्वारा अमेरिका के MQ-9B सशस्त्र ड्रोन के अधग्रहण को मंजूरी

हाल ही में भारत के रक्षा मंत्रालय ने संयुक्त राज्य अमेरिका से 31 MQ-9B सशस्त्र ड्रोन की खरीद के लिये स्वीकृति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान 3 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के इस सौदे की घोषणा होने की उम्मीद है।

- इन उन्नत ड्रोनों के अधग्रहण का उद्देश्य भारत की नगिरानी क्षमताओं को बढ़ाना और अपने सशस्त्र बलों को मज़बूत करना है।

MQ-9B सशस्त्र ड्रोन:

- परचिय:

- MQ-9B ड्रोन MQ-9 "रीपर" का एक वेरिएंट है जिसका उपयोग काबुल में अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहरी को मारने वाली हेलफायर मिसाइल के संशोधित संस्करण को लॉन्च करने के लिये किया गया था।
- MQ-9B के दो वेरिएंट स्काई-गार्जियन और इसका सबिलिगि सी-गार्जियन हैं। भारतीय नौसेना वर्ष 2020 से MQ-9B सी-गार्जियन का संचालन कर रही है।
- यह ड्रोन 40,000 फीट से अधिक ऊँचाई पर कार्य कर सकता है जिससे उच्च ऊँचाई वाले हिमालयी सीमा क्षेत्रों में भारतीय सेना को व्यापक नगिरानी क्षमता मिलती है।
- इस प्रीडेटर की 40 घंटे की अधिकतम उड़ान क्षमता भी है जो इसे लंबे समय तक नगिरानी के लिये उपयोगी बनाता है।
- MQ-9B ड्रोन स्वचालित टेक-ऑफ और लैंडिंग, डिटिक्ट एंड एवॉइड सिसिटेम, एंटी-स्पूफिंग जीपीएस तथा एन्क्रिप्टेड संचार लकि जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस है।

MQ-9B

Predator Drones



Max Gross Takeoff Weight: **5,670 kg**

Fuel Capacity: **2,721 kg**

Payload Capacity: **2,177 kg across 9 hardpoints (8 wing, 1 centerline)**



Crew:

Two pilots in ground control stations



Weapons

Laser guided missiles

Anti-tank missiles

Anti-ship missiles



Missions

- **Humanitarian Assistance/Disaster Relief**
- **Search and Rescue**
- **Law Enforcement**
- **Border Enforcement**
- **Defensive Counter Air**
- **Airborne Early Warning**

Missions

- **Electronic Warfare**
- **Anti-Surface Warfare**
- **Anti-Submarine Warfare**
- **Airborne Mine Counter Measures**
- **Long-Range Strategic ISR**
- **Over-the-Horizon Targeting**



■ भारत की आवश्यकता:

- भारत को विशेष रूप से [लद्दाख में चीन के साथ चल रहे गतिरोध](#) और [पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के संदर्भ में अपनी भूमिति](#) तथा [समुद्री सीमाओं पर नगिरानी एवं स्ट्राइक क्षमताओं को बढ़ाने के लिये MQ-9B](#), सशस्त्र ड्रोन की आवश्यकता है।
- [हृदि महासागर क्षेत्र में चीनी पनडुबियों और युद्धपोतों की बढ़ती उपस्थिति का मुकाबला करने लिये संचार और व्यापार के अपने महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की रक्षा के लिये भारत को MQ-9B सशस्त्र ड्रोन की आवश्यकता है।](#)

- भारत को **कश्मीर** और अन्य आतंकवादग्रस्त क्षेत्रों में **आतंकवाद वरिधी अभियानों** के लिये MQ-9B सशस्त्र ड्रोन की आवश्यकता है।
- **MQ-9B सशस्त्र ड्रोन हासिल करने से भारत को लाभ:**
 - MQ-9B सशस्त्र ड्रोन हासिल करने से भारत को **अपने वरिधियों पर एक रणनीतिक बढ़त** मिलेगी क्योंकि यह अपने मानवयुक्त विमानों या पायलटों को जोखिम में डाले बिना लंबी दूरी की निगरानी और सटीक हमले करने में सक्षम होगा।
 - MQ-9B सशस्त्र ड्रोन हासिल करने से **अमेरिका के साथ भारत के रक्षा सहयोग** को भी बढ़त मिलेगी, जो **भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत के लिये एक प्रमुख भागीदार** के रूप में उभरा है।
 - यह सौदा **अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड समूह में भारत की भूमिका** को भी मज़बूत करेगा।
 - MQ-9B सशस्त्र ड्रोन हासिल करने से भारत के रक्षा उद्योग के लिये भी अवसर बढ़ेंगे, क्योंकि इसमें मेक इन इंडिया पहल के तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन शामिल होगा।

स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-approves-acquisition-of-us-mq-9b-armed-drone>

